इलाहाबाद | बुधवार | 24 सितंबर 2014
अमर उजाला
युवा इलाहाबाद

एमएससी वालों के लिए ढेरों मौके

बीएसआई के निदेशक ने बॉटनी में आयोजित कार्यक्रम में दी जानकारी

अमर उजाला ब्यूरो

इलाहाबाद। बॉटनी से एमसएससी करने वाले छात्र-छात्राओं के लिए भारतीय वानस्पतिक सर्वेक्षण (बीएसआई) में वैज्ञानिक बनने का बड़ा मौका मिलने जा रहा है। वहां वैज्ञानिक के 75 पद खाली हैं। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के 127 वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में मंगलवार को वनस्पति विज्ञान विभाग में आयोजित कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक डॉ. परमजीत सिंह ने यह जानकारी दी।

डॉ. परमजीत ने बताया कि इन पदों पर जल्द भर्ती की जाएगी। इसके अलावा संस्थान की ओर से छात्र-छात्राओं के लिए कई तरह की फेलोशिप भी शुरू की गई है।

इविवि स्थापना दिवस

सीनेट हाल में हुए कार्यक्रम में प्रो. सोमनाथ ने दिया व्याख्यान

इसके लिए क्वालीफाई करने वाले नेट अभ्यर्थियों को 15 हजार रुपये मासिक फेलोशिप मिलेगी। जो नेट नहीं हैं उन्हें 12 हजार रुपये मिलेंगे। पर्यावरण और वानस्पतिक संपदा की जानकारी के लिए डॉ. परमजीत ने टेक्सोनॉमी की पढ़ाई पर जोर दिया। डॉ. परमजीत ने नष्ट होती वानस्पतिक संपदा के प्रति भी आगाह किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डीन साइंस प्रो. विजय कृष्णा ने किया। विभागाध्यक्ष प्रो. अनुपम दीक्षित ने अतिथियों का स्वागत किया। प्रो. दीनानाथ शुक्ला ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में फैकेल्टी के अलावा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। स्थापना दिवस पर विवि की ओर से सीनेट हाल में भी व्याख्यान का आयोजन किया गया। भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक प्रो. सोमनाथ विश्वास ने प्रोटीन के कॉम्प्लीसिटी पर विस्तार से चर्चा की। कुलपति प्रोफेसर एनआर फारूकी ने सभी के सहयोग से विवि को आगे ले जाने की बात कही। इस मौके पर डीन्स, विभागाध्यक्ष समेत अनेक शिक्षक, अफसर, विद्यार्थी मौजूद रहे।

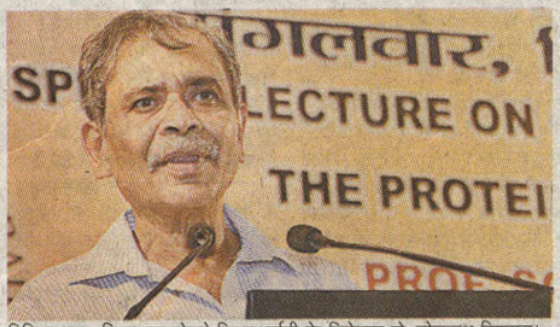

विवि स्थापना दिवस पर बोलते ट्रिपलआईटी के निदेशक प्रो. शोमनाथ विश्वास।

प्रयोग से प्राकृतिक संपदा को बना खतरा

पढ़ाई के लिए पौधों के बेतहासा दोहन से भी वानस्पतिक संपदा को खतरा बन गया है। बीएसआई के निदेशक डॉ. परमजीत सिंह ने बताया कि इसकी वजह से कई पौधे रेयर की श्रेणी में आ गए हैं। उन्होंने शिक्षकों और छात्र-छात्राओं से अपील की कि फील्ड वर्क कराया जाए लेकिन अध्ययन के लिए पौधे न उखाड़ें। उन्होंने बताया कि तापमान में बढ़ोतरी से पौधों के शिफ्टिंग की बात भी सामने आई है। जो पौधे पहाड़ों पर काफी नीचे मिलते थे वे अब अनुकूल तापमान की खोज में ऊपर चले गए हैं।

वैज्ञानिक बना सकती है बॉटनी की टेक्सोनॉमी ब्रांच

इलाहाबाद | प्रमुख संवाददाता

इविवि स्थापना दिवस

- बॉटनी विभाग में बॉटेनिकल सर्वे ऑफ इंडिया के निदेशक का व्याख्यान
- पौधे न उखाड़ने की अपील, वीडियो व फोटोग्राफी से करें अध्ययन

इलाहाबाद विश्वविद्यालय के 127वें स्थापना दिवस पर मंगलवार को वनस्पति विज्ञान विभाग के सभागार में बॉटेनिकल सर्वे ऑफ इंडिया (बीएसआई) के निदेशक डॉ. परमजीत सिंह का व्याख्यान हुआ। डॉ. सिंह ने बीएससी और एमएससी के छात्रों को बॉटनी की बेसिक ब्रांच टेक्सोनॉमी पर ज्यादा जोर दें। उन्होंने बताया कि टेक्सोनॉमी के क्षेत्र में रोजगार की भी अपार संभावनाएं हैं। वर्तमान में इस क्षेत्र में 75 वैज्ञानिकों की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि एप्लाइड बॉटनी के लिए भी टेक्सोनॉमी की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। डॉ. सिंह ने भारत के विभिन्न क्षेत्रों की पादप विविधिताओं के बारे में जानकारी दी और बताया कि तापमान बढ़ने के कारण किस तरह से महाराष्ट्र से लेकर केरल के समुद्री तट के जंगल प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि समुद्र का जलस्तर ऊपर होने के कारण पौधे भी ऊपर की ओर आ रहे हैं। इससे खास तौर से बड़े पौधों को नुकसान हो रहा है।

डॉ. सिंह ने छात्रों से अपील की कि वे अध्ययन के लिए पौधे न उखाड़ें। पौधों की वीडियोग्राफी या फोटोग्राफी करके उसके जरिए अध्ययन किया जाए। उन्होंने कहा कि अध्ययन के लिए पौधे उखाड़ने से भी पादप विविधा प्रभावित हो रही है। उन्होंने बीएसआई की ओर से दी जाने वाली फेलोशिप के बारे में भी छात्रों को जानकारी दी। उनके साथ यहां से पढ़ाई कर बीएसआई में तैनात वैज्ञानिक डॉ. लालजी सिंह भी थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डीन साइंस प्रो. विजय कृष्णा ने की। विभागाध्यक्ष प्रो. अनुपम दीक्षित ने अतिथियों का स्वागत किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. डीआर मिश्र ने किया। उधर, स्थापना दिवस के मौके पर सीनेट सभागार में ट्रिपलआईटी के निदेशक प्रो. सोमनाथ विश्वास का भी व्याख्यान हुआ।

डॉ. परमजीत सिंह ने विचार रखे